

शहरी बाढ़

शहरी बाढ़

अर्थ

- निर्मित परिवेश में भूमि/संपत्ति का जलमग्न होना, विशेष रूप से शहरों में
- इसका कारण न केवल अधिक वर्षा है, बल्कि अनियोजित शहरीकरण भी है

तीव्रता के कारण

- जल अपवाह चैनलों (झीलों, आर्द्रभूमि, नदी तल) पर अतिक्रमण
- जलवायु परिवर्तन (अल्पावधि भारी वर्षा की आवृत्ति में वृद्धि)
- बाँधों से बिना सूचना के जल का छोड़ा जाना (जैसे चेन्नई बाढ़ वर्ष 2015)
- खनन गतिविधियाँ (प्राकृतिक नदी तल और जल धारण क्षमता को कम करती हैं)
- शहरी ऊष्मा द्वीप प्रभाव
- चक्रवाती लहरों से तटीय शहरों/कस्बों पर असर

प्रभाव

- जान-माल की हानि
- बीमारियों का प्रसार
- विद्युत, जल और संचार की आपूर्ति में व्यवधान
- पारिस्थितिक प्रभाव

निवारण हेतु सुझाव

- एकीकृत बाढ़ नियंत्रण कार्यान्वयन अभिकरण का निर्माण
- शहरी और जलवायु चुनौतियों के लिये ब्लू-ग्रीन इन्फ्रा
- ब्लू इन्फ्रा से तात्पर्य जल निकाय जैसे नदियाँ और तालाब से है
- ग्रीन इन्फ्रा से तात्पर्य पेड़, पार्क और उद्यान से है
- बाढ़ की संवेदनशीलता का मानचित्रण
- बेसिनो/द्रोणियों के तट, बाढ़ की दीवारों, ऊँचे प्लेटफार्मों का निर्माण

